छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

कैंपस न्यूज

साप्ताहिक ई-समाचार पत्र

कानपुर नगर, शनिवार, 6 सितंबर, 2025, कुल पृष्ठ-04

शिक्षण में आधुनिक तकनीक का हो समावेश: कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने सेवानिवृत्त 35 प्राध्यापकों को किया सम्मानित, 10 शिक्षकों को मिला शोध पत्र अवार्ड

शिक्षक दिवस

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई प्रेक्षागृह में शिक्षक दिवस समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने की।

समारोह का शुभारम्भ राष्ट्रगीत एवं कुलगीत से हुआ, जिसके उपरान्त अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंटकर किया गया और मंचासीन अतिथियो द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने शिक्षण में आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के समावेश पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समय प्रबंधन और पुराने तथा नए पीढ़ी के शिक्षकों के सामंजस्य से ही उच्च शिक्षा को नई दिशा दी जा

मंच पर कुलपति और मुख्य अतिथि के साथ मौजूद सम्मानित शिक्षक।

सकती है। इसके बाद प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि छात्र-शिक्षक संबंध शिक्षा का मूल आधार हैं, उन्होंने शिक्षण पद्धतियों के बदलाव को चॉक-डस्टर से चैटबॉट तक की यात्रा बताया और विश्वविद्यालय संचालन में पीपीपी मॉडल की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात् विशिष्ट अतिथि डॉ. वंदना पाठक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय परंपरागत मूल्यों की रक्षा और नैतिक पतन को रोकने की आवश्यकता है। उन्होंने आधुनिकता के साथ-साथ मूल्य-आधारित जीवन को अपनाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि प्रो. शिशिर सिन्हा (महानिदेशक, केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, भारत सरकार) ने शिक्षकों की भूमिका और उच्च शिक्षा की चुनौतियों पर अपना संबोधन प्रस्तुत किया और भारतीय शिक्षा प्रणाली के इतिहास और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रासंगिकता पर विचार रखे। इसके बाद सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त 35 प्राध्यापकों को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में गतवर्ष सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रकाशित करने वाले 10 शिक्षकों को "श्री गोविन्द हरि सिंघानिया सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र अवार्ड" प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 62 शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं। कुलसचिव राकेश कुमार ने आभार ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, सीडीसी प्रो.राजेश कुमार, डॉ.अनुराधा कालानी, डॉ. नमिता तिवारी और सभी संकाय के शिक्षक मौजूद रहे।

योग शिक्षा के क्षेत्र में मिलेंगे शोध के अवसर

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग में योग शिक्षा और खेल सुविधाओं का नया अध्याय शुरू होने जा रहा है।

विभाग में एम.ए. योगा, एम.एस.सी. योगा, बी.एस.सी. योगा और पी.जी. डिप्लोमा इन योगा एजुकेशन जैसे नए कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। इस कदम से छात्रों को योग शिक्षा के क्षेत्र में उच्चस्तरीय पढ़ाई और शोध के अवसर मिलेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इससे न केवल अकादमिक माहौल मजबूत होगा बल्कि रोजगार और करियर के नए द्वार भी खुलेंगे।

इसी के साथ खेल संरचनाओं के स्तर पर भी विभाग तेजी से विकास कर रहा है। परिसर में एक आधुनिक फुटबॉल अकादमी स्थापित की जा रही है और 400 मीटर का सिंथेटिक ट्रैक, क्रिकेट स्टेडियम, वॉलीबॉल कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट और फुटबॉल ग्राउंड का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। योग को उच्च शिक्षा स्तर पर शामिल करने को लेकर विभाग का कहना है कि यह भारतीय परंपरा और आधुनिक शिक्षा का संगम है। योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है। जब इसे एम.ए. और एम.एस.सी. जैसे स्तर पर

पढ़ाया जाएगा तो छात्र इसके वैज्ञानिक और शोधात्मक पहलुओं को भी गहराई से समझ सकेंगे। इसका सीधा लाभ उन युवाओं को मिलेगा जो योगा प्रशिक्षक, योग थेरेपिस्ट, हेल्थ कोच और रिसर्चर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं। विश्वविद्यालय की यह पहल छात्रों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मदद करेगी। वहीं छात्र भी इस बदलाव को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि उन्हें अब अपने ही शहर में वे अवसर मिल रहे हैं जिसके लिए पहले बड़े महानगरों

- **विभाग में एम.ए. योगा, एम.एस.सी. योगा, बी.एस.सी. इन योगा व पी.जी. डिप्लोमा इन योगा एजुकेशन कोर्स शुरू**
- **सीएसजेमयू परिसर में एक आधुनिक फुटबॉल अकादमी स्थापित की जाएगी**

का रुख करना पड़ता था। इस तरह के प्रयास केवल विश्वविद्यालय की छवि को नहीं बल्कि पूरे समाज को बदलने की क्षमता रखते हैं। आज की तेज रफ्तार और तनावपूर्ण जीवनशैली में युवाओं के सामने मानसिक दबाव, असंतुलित जीवनशैली और स्वास्थ्य समस्याएँ बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हैं। ऐसे समय में योग और खेल शिक्षा का विस्तार उन्हें न केवल शारीरिक रूप से फिट बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनाएगा। सीएसजेएमयू का यह कदम शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित रखने के बजाय उसे जीवन निर्माण और व्यक्तित्व विकास का माध्यम बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है। अगर यह पहल सफल होती है तो विश्वविद्यालय न केवल कानपुर बल्कि पूरे उत्तर भारत में योग और खेल शिक्षा का प्रमुख केंद्र बन सकता है।

शोध में एआई व प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण : कुलपति

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग, परियोजना और ईआरजी तथा आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय कार्यशाला "पेडागॉजी 5.0: कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षण एवं शोध को उन्नत करना" का शुभारंभ सोमवार को को दीनदयाल उपाध्याय सभागार में हुआ।

कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि उच्च शिक्षा और शोध के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रौद्योगिकी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी बताया कि यदि शिक्षक और शोधार्थी तकनीक का सही ढंग से उपयोग करें, तो शिक्षा की गुणवत्ता, शोध की मौलिकता और परिणामों की प्रभावशीलता में उल्लेखनीय सुधार संभव है। कार्यशाला में सहायक प्रोफेसर डॉ. के. थियागू ने शिक्षण और शोध में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विभिन्न उपयोगों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एआई आधारित उपकरण और तकनीक शिक्षकों को नए तरीके से शिक्षा देने और शोधकर्ताओं को गहन विश्लेषण करने में मदद कर सकते हैं। वहीं विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो.सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि चौक बोर्ड से चैट बॉट तक का यह सफर शिक्षा को नई दिशा देने वाला है।

कार्यशाला एक सप्ताह तक चली और इसमें देशभर के शिक्षाविदों के लिए कई सत्र, प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रायोगिक कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इससे उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एआई और तकनीक के प्रभावी प्रयोग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

कार्यक्रम | **सीएसजेमयू में आयोजित कार्यक्रम में राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ.अमर पाल और कानूनी अध्ययन निदेशक ने साझा किए विचार**

तर्कपूर्ण सोच से ही समाज का वास्तविक कल्याण संभव

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में गुरुवार, को एबीवीएस छात्रों का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत समारोह से हुई। इसमें राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ.अमर पाल और कानूनी अध्ययन निदेशक मुख्य अतिथि रहे।

कार्यक्रम का मुख्य विषय एआई का उपयोग और सुरक्षा उपाय रहा। विशेषज्ञों ने बताया कि तर्कपूर्ण सोच से ही समाज का वास्तविक कल्याण संभव है। वहीं, कानूनी अध्ययन निदेशक ने छात्रों को सलाह दी कि वे केवल सैद्धांतिक अध्ययन तक

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में मुख्य अतिथि को सुनते लोग।

सीमित न रहें, बल्कि अपने मामलों को समाज से जोड़कर पढ़ें, ताकि न्याय शिक्षा का व्यावहारिक असर दिखाई दे। इस अवसर पर एलएलएम के छात्रों ने केस प्रस्तुत किए और उनके विश्लेषण की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने एआई के सुरक्षित और लाभकारी उपयोग पर भी अपने विचार रखे। इसके अलावा एबीवीएस की लीगल रिसर्च सोसाइटी की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों ने भी अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। छात्रों द्वारा प्रस्तुत विषयों में महिलाओं की सुरक्षा (लॉक सिस्टम के जरिए सुरक्षा उपाय) और साइबर क्राइम जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल रहे। विशेषज्ञों ने छात्रों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियाँ न केवल उनकी तार्किक क्षमता को मज़बूत करती हैं, बल्कि समाज का दृष्टिकोण भी विकसित करती हैं।

कल्पनाशक्ति व देशभक्ति से सजी स्टोरी टेलिंग प्रतियोगिता

आयोजन

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में बुधवार को स्वतंत्रता दिवस के अंतर्गत आत्मोदय हॉबी काउंसिल के लिटरेरी क्लब की ओर से स्टोरी टेलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में हुई इस प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता के आधार पर अपने विचार सभी के सामने प्रस्तुत किए।

प्रतियोगिता का विषय "वैकल्पिक इतिहासः यदि भारत की स्वतंत्रता की कहानी भिन्न होती तो क्या होता? रखा गया था जिसमें विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशक्ति के आधार पर देश की भिन्न छवि प्रस्तुत की थी। प्रतियोगिता के विषय के अनुसार प्रतिभागियों ने कल्पना शक्ति और ऐतिहासिक दृष्टिकोण का बेहतरीन समन्वय प्रस्तुत किया। सभी प्रतिभागियों ने स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े नायकों, ऐतिहासिक घटनाओं और वैकल्पिक संभावनाओं के बारे में बताते हुए अपने विचार रखे।

मंच पर एकसाथ मौजूद प्रतिभागी छात्र ।

निर्णायक मंडल के रूप में डॉ.दीक्षा शुक्ला एवं मोहित अवस्थी मौजूद रहे। जिन्होंने प्रतिभागियों का अवलोकन उनके विषय और विचारों के आधार पर किया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की रचनात्मकता, तार्किक सोच और अभिव्यक्ति की क्षमता की सराहना भी की।

प्रतियोगिता में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की प्राची द्विवेदी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं द्वितीय और तृतीय स्थान बीएससी बायो टेक्नोलाजी के छात्र आर्यन पांडे और छात्रा राजश्री मिश्रा ने हासिल किया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. ममता तिवारी ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में छात्रों की भागीदारी और शानदार प्रस्तुतियों ने आयोजन को यादगार बना दिया।

प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस ने सेमिनार में छात्रों से साझा किए अनुभव

सेमिनार

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कैम्पस स्थित स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग में प्रोफेसर ऑफ प्रेक्टिस का सेमिनार आयोजित किया गया। डॉ. जी.एन. सिंह, पूर्व ड्रग कंट्रोलर उ.प्र. व वर्तमान में मुख्यमंत्री के सलाहकार को प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के लिए आमंत्रित किया गया।

जिसमें डॉ. जी.एन. सिंह द्वारा विभाग में अध्ययनरत एम.फार्म.,बी.फार्म. एवं डी.फार्म. पाठ्यक्रम के अन्तिम वर्ष के छात्र-छात्रओं के साथ अपने अनुभव एवं व्यवहारिक ज्ञान को साझा किया तथा छात्र-छात्राओं को फार्मेसी सेक्टर के माध्यम से समस्त प्राणि जगत हेतु नित्य नये आविष्कार कर समाज में अपने योगदान हेतु प्रोत्साहित किया।

वही इस अवसर पर डॉ. शशि किरन मिश्रा, निदेशक द्वारा आमंत्रित अतिथि डॉ0 जी0एन0सिंह को पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर डॉ0 शशि किरन मिश्रा, निदेशक, स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज, डॉ. निशा शर्मा, डॉ. श्वेता सिंह वर्मा, अजय कुमार सिंह, डॉ.पल्लवी तिवारी, डॉ.अमृता सिंह, अवधेश प्रताप, हरपाल सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

मंच पर एकसाथ मौजूद प्रतिभागी छात्र ।

ऋषि रिफ्लेक्शन लेक्चर सीरीज का आयोजन

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एडवांस्ड एग्रीकल्चर साइंस एंड टेक्नोलॉजी में ऋषि रिफ्लेक्शन लेक्चर सीरीज का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर नवाचार, व्यावसायिक शिक्षा और कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार उपयोग जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि ऋषि रिफ्लेक्शन लेक्चर सीरीज नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने वाला सशक्त मंच है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे बदलते वैश्विक परिदृश्य में व्यावसायिक उत्कृष्टता अपनाते हुए शिक्षा और उद्यमिता के क्षेत्र में नई संभावनाओं की खोज करें।

प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने व्यावसायिक शिक्षा की भूमिका और भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित क्रांति के अनुभव और पराली प्रबंधन जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए।

श्रृंखला की शुरुआत स्कूल ऑफ एडवांस्ड एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ हिमांशु त्रिवेदी के स्वागत भाषण से हुई, इसके बाद डॉ शिल्पा कायस्थ ने नवाचार एवं सांस्कृतिक महत्व पर संबोधन दिया। कार्यक्रम में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस श्री राजीव मिश्रा ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में संबोधित करते डा. हरि ओम ।

इस अवसर पर विभाग के सभी संकाय सदस्य छात्र - छात्राएं उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से सहायक निदेशक श्री अभिषेक द्विवेदी, डॉ. शुभम् बाजपेयी, डॉ. अंकित सिंह भदौरिया, डॉ. अभिषेक तिवारी, डॉ. रूप किशोर पचौरी, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. रोहित पांडेय, डॉ. शनि कुमार सिंह, डॉ. पारितोष त्रिपाठी और डॉ. अश्वनी कुमार सिंह शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक डॉ. श्रेया सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दीपांजलि बाग ने प्रस्तुत किया।

एक शाम विश्वविद्यालय के नाम सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय एलुमनाई एसोसिएशन ने एक शाम विश्वविद्यालय के नाम सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ मुख्य अतिथि वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डॉ वंदना पाठक निदेशक प्रो सुधांशु पांडया प्रो अंशु यादव पूर्व छात्र डॉ अवध दुबे निदेशक एलुमनाई डॉ सिधांशु राय सचिव कैंपस एल्युमिन डॉ विवेक सचान एवं संयुक्त सचिव मुकेश अग्रवाल ने किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ वंदना पाठक ने कहा विश्वविद्यालय को अपने पूर्व छात्रों पर गर्व होता है जब उनके पूर्व छात्र देश-विदेश में अपना नाम रोशन कर रहे होते हैं, उन्होंने एलुमनाई एसोसिएशन के सामाजिक, सांस्कृतिक, एकेडमिक कार्यों की सराहना की। प्रो सुधांशु पांडया ने कहा कि पूर्व छात्रों की खुशी आज देखने लायक है। प्रो अंशु यादव ने कहा कि पूर्व छात्र हमारी धरोहर है। पूर्व छात्रों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम संयोजक एवं एलुमनाई एसोसिएशन उपाध्यक्ष डॉ सिधांशु राय ने कहा विश्वविद्यालय का ब्रांड स्थापित करने में पूर्व छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है उन्होंने कहा आगामी सितंबर एवं अक्टूबर महीने में रोजगार मेला एवं डिस्टिंग्विश अवार्ड जैसे कार्यक्रम एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा आयोजित किए जाएंगे। पूर्व छात्र डॉ अवध दुबे ने अपना हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। सचिव एलुमनाई एसोसिएशन डॉ विवेक सचान ने कहा कि पूर्व छात्र विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेंगे। पूर्व छात्र मुकेश अग्रवाल डॉ राव विक्रम डॉ सुशील मिश्रा राजीव बाजपेई शुभांक गुप्ता ने इस अवसर को यादगार बताया। कार्यक्रम में डॉ वंदना पाठक डॉ सिधांशु राय मोहित पांडे राजीव सक्सेना, डॉ ओम प्रकाश आनंद अंकित श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

मनुष्यों के अस्तित्व के लिए प्रेम से भरा हुआ प्रकृति का हृदय

कानपुर। जब भी प्रकृति की बात होती है, तो हमारी आंखों के सामने सिर्फ भव्य हरे पेड़ आते हैं, जिनकी डालियों के बीच से छनकर आती धूप और चिड़ियों के मधुर गीत सुनाई देते हैं, लेकिन हम शायद ही कहानियों के बारे में सोचते हैं। वे कहानियाँ जो प्रकृति अपने भीतर समेटे हुए है। उसके जीवन की निशब्द उथल-पुथल, हर ऋतु में खड़े रहने का साहस, और कुछ निर्दयी हाथों के सामने मिट जाने का भय।

आकाश का हृदय - प्रकृति प्रेम और मानवता को शब्दों में नहीं, बल्कि चुपचाप किए गए उन कार्यों में दर्शाती है जो हमें निःशब्द कर देते हैं और सोचने पर मजबूर कर देते हैं कि इतना सुंदर इस दुनिया में कैसे संभव है। यह हमें याद दिलाती है कि प्रकृति का हृदय मनुष्यों के अस्तित्व के लिए

प्रेम से भरा हुआ है। एक स्मरण कि चाहे हम उन्हें भूल जाएँ, प्रकृति अपने बारे में ही नहीं, हमारे बारे में भी सोचती है। अपनी भाषा में ये पेड़ ऐसा प्रेम व्यक्त करते हैं जो मानवता से भी बड़ा है, एक ऐसा प्रेम जो लगातार बढ़ता है और जिसके बदले

में बस थोड़ी-सी देखभाल की अपेक्षा है। यह हमें याद दिलाता है कि चाहे कितना भी खो गया हो, अगर हम ढूँढना चाहें तो सुंदरता और संबंध अब भी जन्म ले सकते हैं। यह सब सुनने में सपने जैसा लगता है, पर वास्तविकता कुछ और ही है।

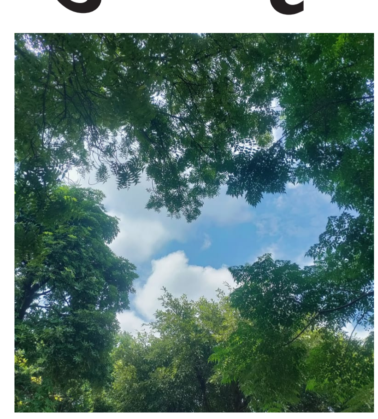

क्या आपको पता है कि रोज़ाना कितने पेड़ काटे जाते हैं? कितने जंगल सिर्फ़ एक और इमारत बनाने के लिए उजाड़ दिए जाते हैं? इंसान अपने अहंकार को संतुष्ट करने के लिए कहाँ तक जा सकता है? नहीं पता? यही तो समस्या है, हम मनुष्य केवल वही सोचते हैं जो हमें रुचिकर लगता है और उस पर आँख मूँद लेते हैं जो हमारे जीवन के लिए भी आवश्यक है। हर दिन, जब हम अपनी दिनचर्या में व्यस्त रहते हैं, दुनिया भर में 41 मिलियन पेड़ काट दिए जाते हैं। हर एक पेड़ चुपचाप गिरता है, बिना किसी की नज़र में आए। भारत भी इस कहानी का हिस्सा है। सिर्फ़ 2023 में ही हमने 2,85,000 हेक्टेयर से अधिक जंगल खो दिए। हैदराबाद का कंचा गाचीबौली, जो 2024–2025 तक ठंडी छाँव और पक्षियों की चहचहाहट से भरा था, आज मेट्रो स्टेशन और दफ़्तरों के लिए उजाड़ दिया गया है। वहीं जयपुर का डोल का बाड़, अरावली का एक जंगल क्षेत्र, 2024 में रिंग रोड और खाली प्लॉट्स के लिए काट डाला गया।

वीर शिवाजी महाराज

भारत में जन्में कई रत्न, जिनपर मैं इतराता हूँ।
उनमें से ही एक वीर की ,तुमको कथा सुनाता हूं।
था सम्राज्य मराठे शाहा का, तब ऐसा अवतार हुआ।
सुन हर्षित पूरा देश हुआ ,दिन रात बजे थे बाजे।
बदली थी दिशा वायुमण्डल की,जन्में थे शिवराजे।
जीजाबाई ने जन्मा था, मनुज नहीं अवतारी।
क्योंकि उस मां को करनी थी ,स्वराज हिंद की तैयारी।
शस्त्र शास्त्र में पारंगत कर, ऐसा योद्धा बड़ा किया।
एक विदुषी ने उस बालक को, हिंद का रक्षक बना दिया।
राज्य स्वराज रहे अपना, ऐसा सपना पाल लिया।
जो देखे अपनी मातृभूमि को ,उसको शत्रु मान लिया।
भारत के मानचित्र पर ,ध्वज हिंदवी गाड़ दिया।
भारत के मानचित्र पर ,ध्वज हिंदवी गाड़ दिया।
हर बार सफल होकर उसने ,औरंग को धूल चटाई थी।
भारत के लाल नहीं डरते ,ये बात उन्हें समझाई थी।
सूरत खिंड पुरंदर में ,ऐसे करतब दिखा दिये।
मुट्ठी भर सेना लेकर उसने, मुगलों के छक्के छुड़ा दिये।
ऐसे वीर का वंशज हूं मैं, इसका है अभिमान मुझे।
मैं भी उसी धरा पर जन्मा, इसका भी नाज मुझे।
सुनकर उसकी शौर्य कथायें, मैं पुल्कित हो जाता हूं।
उस वीर शिवा के चरणों में, मैं ये शीश झुकाता हूं।

छात्र संपादकीय समूह के साथ कुलपति व पत्रकारिता विभाग के शिक्षक।

आईसीएआर-सीआईएस एच के बीच हुआ एमओयू

कानपुर । छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, कानपुर और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के सेंट्रल इंस्टिट्यूट फॉर सबट्रॉपिकल हॉर्टीकल्चर (सी.आई.एस.एच.), लखनऊ के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एम.ओ .यू.) पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए गए। यह साझेदारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन एवं प्रो-वाइस चांसलर प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी के निरन्तर प्रोत्साहन में सम्पन्न हुई।

इस अवसर पर आई. सी. ऐ. आर. की ओर से डिप्टी डायरेक्टर जनरल प्रो. संजय कुमार सिंह, डॉ. वी. बी. पटेल (असिस्टेंट डायरेक्टर जनरल, आई. सी. ऐ. आर.) तथा डॉ. टी. दामोदरन (निदेशक, सी.आई.एस.एच., लखनऊ) प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। डॉ. टी. दामोदरन (निदेशक, आई. सी. ऐ. आर – सी.आई.एस.एच.) ने कहा — "सी एस जे एम यू के साथ यह एमओयू क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर उपोष्णकटिबंधीय फलों के अनुसंधान तथा तकनीक हस्तांतरण के लिये एक नई दिशा खोलेगा। संयुक्त प्रयास विज्ञान और समाज के लिए लाभकारी परिणाम देंगे।" छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. वर्षा गुप्ता (डायरेक्टर, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज एंड बायोटेक्नोलॉजी), डॉ. आलोक पांडे (सहायक निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, बायोटेक्नोलॉजी) एवं डॉ. सोनी गुप्ता ने भी सी.आई.एस.एच. में एमओयू प्रक्रिया में भाग लिया।

उद्यमिता एवं सीएसआर विषय पर कार्यशाला की गई आयोजित

कानपुर । छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक जी के मार्गदर्शन में सामाजिक उद्यमिता एवं कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी विषय पर कार्यशाला का शुभारंभ निदेशक प्रो सुधांशु पांडया विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर ऑफ प्रेक्टिस अनिमेष गुप्ता डॉ विवेक सचान एवं डॉ सिधांशु राय द्वारा किया गया ।स्कूल बिजनेस ऑफ मैनेजमेंट के पूर्व छात्र रहे प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस अनिमेष गुप्ता ने एमबीए के विद्यार्थियों को उद्यमिता के महत्व के बारे में बताते हुए कहा उद्यमिता नवाचार को बढ़ावा देती है तो वही रोजगार के नए अवसर पैदा कर बेरोजगारी को कम करती है। उन्होंने विद्यार्थियों के अंदर स्टार्टअप की नींव डालने का प्रयास किया। उन्होंने कॉरपोरेट सेक्टर में भी सोशल रिस्पांसिबिलिटी की भूमिका पर चर्चा की।

निदेशक प्रो सुधांशु पांडया ने कहा कि उद्यमिता का महत्व न सिर्फ आर्थिक विकास में है बल्कि व्यक्तिगत एवं सामाजिक विकास में भी है। सचिव कैंपस एलुमनाई एसोसिएशन डॉ विवेक सचान ने कहा हमारे छात्र स्टार्टअप की ओर अग्रसर हो रहे हैं। निदेशक एलुमनाई एसोसिएशन डॉ सिधांशु राय ने कहा सामाजिक परिवर्तन में उद्यमिता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है ।कार्यक्रम का संचालन डॉ रश्मीत कौर ने किया धन्यवाद ज्ञापन डॉ राहुल पाल द्वारा किया गया ।इस अवसर पर प्रबंधन के विद्यार्थियों ने नवाचार से युक्त अनेक प्रश्न भी पूछे

जेपीएल की तैयारी में लगे पत्रकारिता के छात्र

JPL
JOURNALIST PREMIER LEAGUE

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा जर्नलिस्ट प्रीमियर लीग (जेपीएल) 13 सितंबर, शनिवार को विश्वविद्यालय के हेलीपैड में आयोजित होगा। जेपीएल के अंतर्गत छात्र और छात्राओं की अलग-अलग टीमें बनाई जाएंगी।

टीमों में भाग लेने वाले छात्र सिर्फ़ पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के ही होंगे। विभाग के इतिहास में ऐसा आयोजन पहली बार होने जा रहा है। यह आयोजन छात्रों को न केवल खेल के प्रति प्रोत्साहित करेगा बल्कि अपनी रुचि को प्रदर्शित करने का मौका भी देगा। जेपीएल छात्रों को टीम्स में भाग लेने के अलावा एंकर, रिपोर्टर, कमेंटेटर और मीडिया पर्सन जैसी अन्य भूमिकाओं में भी भाग लेने का अवसर प्रदान कर रहा है।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष व विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ विशाल शर्मा ने बताया कि यह लीग पूरी तरह से छात्र केंद्रित है। जेपीएल के प्रति छात्र-छात्राओं में काफ़ी उत्साह देखने को मिल रहा है। और लीग में विजयीप्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

कैंपस न्यूज और इंक इंस्पायर्ड समाचार पत्रों का हुआ विमोचन

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्रो ने दो सप्ताहिक समाचार पत्रों का प्रकाशन शुरू किया है।

इसमें हिंदी समाचार पत्र के रूप में कैंपस न्यूज और अंग्रेजी समाचार पत्र के रूप में इंक इस्पायर्ड का विमोचन किया गया। दोनों समाचार पत्रों का विमोचन माननीय कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के कार्यालय में किया गया। इस मौके पर उन्होने कहा कि छात्रों की प्रतिभा उनके हुनर में दिखती है। पत्रकारिता विभाग के छात्रों ने दो भाषाओं में समाचार पत्र प्रकाशित कर अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया है। आगे भी इसी तरह से प्रयास किए जाने चाहिए। इस अवसर पर माननीय कुलपति ने दोनों समाचार पत्रों की संपादकीय टीम के छात्रों को बधाई देते हुए इसमें और बेहतर करने के टिप्स सुझाए। माननीय कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने कैंपस न्यूज की संपादक अनुश्री बैनर्जी और उनकी टीम तथा इंक इंस्पायर्ड की संपादक वैष्णवी वर्मा और उनकी टीम को निरंतर मेहनत करने का सुझाव देते हुए कहा कि कोई भी काम छोटा बड़ा नहीं होता। लेकिन सफलता के लिए निरंतरता का होना बहुत जरूरी है। इन दोनों समाचार पत्रों के प्रकाशन से भविष्य में मीडिया इंडस्ट्री में छात्रों को बेहतर प्लेसमेंट मिलेगा। इसमे विश्वविद्यालय हर संभव मदद करेगा। दोनों समाचार पत्रों का निर्माण एवं प्रकाशन विभागाध्यक्ष डॉ विशाल शर्मा के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में डॉ हरिओम, डॉ रश्मि गौतम,डॉ जीतेंद्र डबराल, डॉ योगेंद्र पाण्डेय, के साथ संपादकीय टीम के सभी छात्र मौजूद रहे।

रोजगार लेने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाला बने : प्रो सुधांशु

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल और बिजनेस मैनेजमेंट में उद्यमिता, नवाचार एवं सतत विकास पर कार्यशाला की शुरुआत हुई ।

निदेशक प्रो सुधांशु पांडया ने कहा कि वर्तमान दौर नौकरी लेने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाला है ।मुख्य वक्ता एसबीएम के पूर्व छात्र एवं प्रोफेसर ऑफ प्रेक्टिस अनिमेष गुप्ता ने कहा कि उद्यमिता या नवाचार के लिए विद्यार्थियों में आत्मविश्वास सबसे महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को उन गुण को विकसित करने की प्रेरणा दी जिससे कॉरपोरेट सेक्टर में उन्हें सफलता प्राप्त हो सके।

उन्होंने कहा कि सतत विकास वर्तमान पीढ़ी के साथ-साथ भविष्य का भी ध्यान रखा जाता है । उन्होंने कहा कि सतत विकास से नए-नए उद्योग एवं क्षेत्र में रोजगार का सृजन भी हो रहा है।

प्रो अंशु यादव ने विद्यार्थियों को धैर्य का महत्व बताया ।अतिथियों का स्वागत करते हुए निदेशक एलुमनाई डॉ सिधांशु राय ने कहा हमारे पूर्व छात्र वर्तमान अध्यनरत विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल के रूप में स्थापित होने चाहिए। निदेशक कैंपस एलुमनाई एसोसिएशन डॉ विवेक सचान ने कहा आज हमारे पूर्व छात्र देश-विदेश में उच्च पदों पर आसीन है और सीएसजेएम विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ अर्पणा कटियार ने किया। कार्यक्रम संचालन डॉ सौम्या अग्रवाल द्वारा एवं सह संयोजन डॉ राहुल पाल एवं डॉ रश्मित कौर द्वारा किया गया ।उक्त अवसर पर डॉ चारू खान डॉ वारशी सिंह डॉ सुधीर वर्मा सहित समस्त शिक्षक एवं मैनेजमेंट के विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

उत्साह: खेल दिवस पर छात्र छात्राओं ने दिखाया दमखम

सीएसजेमयू के शारीरिक शिक्षा विभाग ने आयोजित की विभिन्न प्रतियोगिताएं

कानपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक की प्रेरणा से शुक्रवार को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन विश्वविद्यालय की शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया।

खेल दिवस का उद्घाटन प्रति कुलपति प्रोफेसर सुधीर कुमार अवस्थी, वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर अंशु यादव, वित्त अधिकारी अशोक कुमार त्रिपाठी आदि ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग 1800 छात्र-छात्राएं वॉलीबॉल, रस्साकशी, खो-खो, कबड्डी और एथलेटिक्स आदि प्रतियोगिताओं में अपने-अपने विभागों की ओर से प्रतिभाग कर रहे हैं।

सभी खेल प्रतियोगिताएं संपन्न होने के बाद शाम को विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

सीएसजेएमयू समाज को दिशा देने वाला मंच : न्यायमूर्ति

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षतान्यायमूर्ति अजय भनोट (इलाहाबाद उच्च न्यायालय) ने की। बैठक का केंद्र बिंदु बच्चों के बेहतर भविष्य, विशेषकर बाल देखभाल संस्थानों (सीसीआई) और बाल सुधार गृहों के विकास पर रहा।

बैठक में बच्चों को सुरक्षित और अनुकूल माहौल उपलब्ध कराने, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा प्रत्येक बच्चे के लिए व्यक्तित्व विकास योजनाएँ तैयार करने पर विशेष चर्चा हुई। साथ ही जीवन कौशल, डिजिटल साक्षरता और व्यक्तित्व विकास को शिक्षा से जोड़ने और शिक्षकों-कर्मचारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

बाल सुधार गृहों से जुड़े विषयों पर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। यह तय किया गया कि वहाँ रह रहे बाल बंदियों को रोजगारपरक पाठ्यक्रमों और कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़ा जाएगा। सीएसजेएमयू और प्रोबेशन विभाग मिलकर एक रूपरेखा तैयार करेंगे और सभी बच्चों की नियमित काउंसलिंग कराई जाएगी ताकि वे आत्मनिर्भर होकर समाज की मुख्यधारा में दोबारा जुड़ सकें। बैठक में माननीय न्यायमूर्ति अजय भनोट ने कहा कि "सीएसजेएमयू केवल एक शैक्षणिक संस्था नहीं है, बल्कि समाज को नई दिशा देने वाला एक सशक्त मंच भी है। विश्वविद्यालय का यह प्रयास सराहनीय है कि वह बच्चों और युवाओं को शिक्षा, कौशल और अवसर प्रदान कर उन्हें जीवन की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कर रहा है। बैठक में न्यायमूर्ति चवन प्रकाश (जिला न्यायाधीश, कानपुर नगर), के. विजयेंद्र पांडियन (आयुक्त, कानपुर मंडल), जितेंद्र प्रताप सिंह (जिलाधिकारी, कानपुर नगर), अखिल कुमार (पुलिस आयुक्त, कानपुर नगर), दीक्षा जैन (मुख्य विकास अधिकारी, कानपुर नगर), विनय सिंह (अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश) सहित , शिक्षाविद व नीति निर्माता उपस्थित रहे।

छात्र- छात्राओं ने अभिनय की तकनीकि व बारीकियां सीखी

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों को नई दिशा देने के उद्देश्य से सिने-काव्यः द सिने-थिएटर क्लब द्वारा दो सप्ताह के नाट्य कार्यशाला दा एक्टर क्राफ्ट का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का उद्घाटन तीन सितम्बर को दीन दयाल सभागार में संपन्न हुआ ।

कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आयोजित यह पहल छात्रों की रचनात्मक क्षमता को निखारने और उन्हें मंचीय अनुभव व कलात्मक अभिव्यक्ति का व्यावहारिक प्रशिक्षण देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यशाला का संचालन प्रसिद्ध रंगकर्मी एवं राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी), नई दिल्ली की प्रतिष्ठित पूर्व छात्रा, प्रोफेसर आसिमा भट्ट (प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस, सीएसजेएमयू, कानपुर) द्वारा किया गया। वह अपने गहन रंगमंचीय अनुभव और प्रशिक्षण के माध्यम से छात्रों को अभिनय की तकनीक, शारीरिक अभिव्यक्ति, संवाद कला, मंचीय अनुशासन एवं रंगकर्म की बारीकियों से परिचित कराएंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अंशु यादव, डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर ने की । स्कूल ऑफ़ लैंग्वेजेज़ के निदेशक डॉ. सर्वेश मणि त्रिपाठी के नेतृत्व तथा डॉ. प्रभात गौरव मिश्र, समन्वयक, सिने -काव्यः द सिने-थिएटर क्लब, के सहयोग से आयोजित यह कार्यशाला केवल अभिनय प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि छात्रों को आत्म-अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच विकसित करने का भी अवसर प्रदान करेगी। इस कार्यशाला में 157 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण किया है । यह कार्यशाला केवल छात्रों की प्रतिभा को मंच उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीएसजेएमयू को राष्ट्रीय स्तर पर एक सांस्कृतिक एवं शैक्षाणिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। एनएसडी जैसी प्रतिष्ठित संस्था के अनुभव को लेकर विश्वविद्यालय का यह प्रयास छात्रों को रंगमंच के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक छवि को और सुदृढ़ करेगा।

आत्मोदय हॉबी क्लब व तरंग बैंड का शपथ ग्रहण

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में तीसरे छात्र परिषद, आत्मोदय हॉबी क्लब और तरंग बैंड के लिए एक भव्य शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

सत्र 2024-25 के पुराने छात्र परिषद सदस्यों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सत्र 2025-26 के नए छात्र परिषद सदस्यों को बैज पहनाकर सम्मानित किया गया। नए परिषद सदस्यों ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने की शपथ ली। इसी के साथ, छात्र परिषद की एक साल की पत्रिका का भी विमोचन किया गया, जिसमें छात्रों की रचनात्मकता और गतिविधियों को दर्शाया गया है। इस अवसर पर, छात्रों ने गणमान्य व्यक्तियों को स्वयं निर्मित (सस्टेनेबल) स्मृति चिन्ह भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कुलपति प्रो. पाठक ने कहा कि हमारा लक्ष्य विश्वविद्यालय के सभी छात्रों के लिए शत प्रतिशत इंटर्नशिप और रोजगार सुनिश्चित करना है। उन्होंने नए छात्र परिषद को छात्रों को एकजुट करने और सहयोग व समन्वय से काम करने का संदेश दिया। प्रति-कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने छात्र परिषद की सराहना करते हुए कहा कि वे छात्र समुदाय के विकास के लिए सराहनीय कार्य कर रहे हैं और उन्हें इसी तरह पूरे साल काम करते रहना चाहिए। समारोह में वित्त अधिकारी श्री अशोक कुमार त्रिपाठी, डीन अकादमिक प्रो. ब्रष्टि मित्रा, डीन छात्र कल्याण प्रो. अंशु यादव, हॉबी क्लब समन्वयक डॉ. ममता तिवारी और मुख्य प्रॉक्टर शशिकांत त्रिपाठी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्रों द्वारा कौशल क्षमता वर्धन हेतु प्रकाशित सप्ताहिक ई-समाचार पत्र कैम्पस न्यूज। संरक्षक- प्रोफेसर विनय कुमार पाठक (कुलपति, सीएसजेएमयू), मार्गदर्शक - डॉ. विशाल शर्मा (विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), परामर्शदाता - डॉ. हरिओम कुमार (सहायक आचार्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), सागर कनौजिया (मीडिया इंस्ट्रक्टर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), छात्र संपादक -सृष्टि जायसवाल (बीएजेएमसी), पृष्ठ सज्जाकार- ख्याति अवस्थी(एमएजेएमसी) अधिक जानकारी के लिए हमारे सोशल मीडिया अकांउट पर सम्पर्क करें।
@djmccsjmu/@csjmuofficial
@csjmuofficial